भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001

फ़ाइल् क्रमांक **F.No. :** टेक **10-6/2021** दिनांक **Date: 13**.09.2021

YouTube channel: https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ
Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553
Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

कृषकों से निवेदन है कि कृषि कार्य के संयोजन में स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार या स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करें .

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers

(13-19 सितम्बर 2021 / 13th-19th September 2021)

अ. ऐसी फसल जहा जून माह के दौरान बोवनी की गई हैं, इस स्थिति में निम् सलाह की अनुशंसा की जाती हैं.
Wherever the sowing was done during June, 2021, farmers are requested to follow the suggestions as given below.

1	ऐसे कृषक जिन्होंने सोयाबीन की शीघ्र पक्नेवाली सोयाबीन की किस्में (जे.एस. 95-60, जे.एस. 20-34, एन.आर.सी. 130, जे. एस. 93-05, एन.आर.सी. 138 आदि) उगाई गई हैं, उनको सलाह हैं कि परिपक्व फलियों का रंग जैसे ही बदलना प्रारंभ हो (फिजियोलोजिकल मेचुरिटी), अपनी सुविधानुसार फसल की कटाई करे. Farmers who have grown early maturing soybean varieties like JS 95-60, JS 20-34, JS 93-05, NRC 130, NRC 138 etc. are advised to harvest the crop immediately after attaining the physiological maturity (change in pod color).
2	सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह हैं कि सुविधानुसार उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to be affected in terms of its quality parameters including viability as well as risk of vivipary in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering.
3	सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धुप में सुखाने के पश्चात सुविधानुसार गहाई करें. यदि तुरंत गहाई करना संभव नहीं हो, कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान इकठ्ठा का ढेर लगाये तथा तारपोलिन से ढक कर रखे, जिससे चटकने से होने वाले नुकसान से बचा जा सके. Farmers are suggested to allow the harvested crop for sun-drying for 2-3 days. It is also advised to collect the harvested crop and keep it in safe place, covering with Tarpolin and thresh the same as per the convenience.
4	आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पि.एम पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े. If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.

ब. सोयाबीन के ऐसे क्षेत्र जहा सोयाबीन फसल की बुआई देरी से यानि जुलाई माह में हुई हैं वहा कीट/रोग नियंत्रण हेतु निम्न सलाह दी जाती हैं.

In such areas where soybean crop was sown late i.e. during July month, farmers are advised to follow following measures as applicable for the control of different insect-pests and diseases.

4	चने की इल्ली (*हेलिकोवेर्पा अर्मिजेरा*) तथा हरी सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण हेतु लैम्ब्डा सायहलोथ्रिन 4.90 सी.एस. (300 मिली/हे.) या इन्डोक्साकार्ब 15.8 ई. सी. (333मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 39.35 एस.सी. (150 मिली/हे) या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूजी (250-300 ग्रा/हे) या स्पायनोटेरम 11.7 एस.सी. (450 मिली/हे) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425 मिली/ है.) का छिडकाव करें. Farmers are advised to control the gram pod borer (*H. armigera*) as well as Green Semiloopers using spray of recommended chemicals like Lambda-cyhalothrin 4.90 % CS (300 ml/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha) or Flubendiamide 39.35 SC (150 ml/ha) or Flubendiamide 20 WG (250-300 g/ha) or Spinetoram 11.7 SC (450 ml/ha) or Emamectin Benzoate 1.9% E.C. (425 ml/ha).	
5	एन्थ्राक्नोज तथा रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों के नियंत्रण हेतु सलाह हैं की टेबूकोनाजोल (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल+सल्फर (1 किग्रा/हे) या पायराक्लोस्ट्रोबीन 20 डब्लू.जी. (500 ग्राम/हे) या पायराक्लोस्ट्रोबीन + इपोक्सीकोनाजोल (750 मिली/हा) या फ्लुक्सापायरोक्साड + पायराक्लोस्ट्रोबीन (300 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल + ट्रायफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 350 ग्रा /हे का छिडकाव करें. For control of fungal diseases like Anthracnose and Rhizoctonia Aerial Blight,farmers are advised to spray the crop with Tebuconazole (625 ml/ha) or Tebuconazole + Sulphur (1 kg/ha) or Pyraclostrobin 20 WG (500 g/ha) or Pyraclostrobin + Epoxiconaxole (750ml/ha) or Fluxapyroxad + Pyraclostrobin (300 ml/ha) or Tebuconazole + Trifloxystrobin (350 g/ha).	 रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट एन्थ्राक्नोज **Rhizoctonia Aerial Blight Anthracnoxse**
6	पीला मोज़ेक वायरस व सोयाबीन मोज़ेक वायरस जैसे विषाणु जनित रोगों के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि प्रारंभिक अवस्था में ही ग्रसित पौधों को उखाड़कर तुरंत खेत से निष्काषित करें तथा सफ़ेद मक्खी व एफिड जैसे रस चूसने वाले रोगवाहक कीटों के नियंत्रण हेतु अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रैप लगाएं. यह भी सलाह हैं कि रोग-वाहकों की रोकथाम हेतु अनुशंसित पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125 मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे) का छिड़काव करें. (इन दवाओं के छिड़काव से तना मक्खी का भी नियंत्रण किया जा सकता है) For control of YMV as well as SMV diseases, farmers are advised to destroy the infected plants immediately in the initial stage and install Yellow Sticky Traps at different locations in the field. It is also advised to spray the crop with Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha) or Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha). These chemicals are also useful for control of stem fly infestation.	 पीला मोजाइक **Yellow Mosaic** सोयाबीन मोजाइक **Soybean Mosaic**

अन्य अनुशंसित सलाह Other recommended Measures

1	ऐसे क्षेत्र जहा सफ़ेद सुंडी (वाइट ग्रब) का प्रकोप देखा गया है, उसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि क्लोरपायरीफॉस (2.5% दानेदार) दवा को 16 कि.ग्रा./है. की दर से सोयाबीन की कतारों के बीच बिखेरें. In such areas where infestation of White grub has been reported in soybean, farmers are advised to broadcast Chlorpyriphos (2.5% granular) @ 16 kg/ha in between the rows.	
2	कृषकों को सलाह हैं कि केवल उन्ही रसायनों का प्रयोग करे जिनकी सोयाबीन की फसल पर अनुशंसा की गई हैं. यह भी सलाह हैं कि पौध संरक्षण के लिए अनुशंसित रसायनों का उचित लाभ लेने के लिए पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रेयर के से 500 ली/हे या पॉवर स्प्रयेर से 120 ली/हे) का प्रयोग करें. Farmers are advised to use only those plant protection chemicals which are recommended for soybean crop. Use adequate quantity of water (500 litre using knapsack sprayer or 120 litres using power sprayer) will make ideal spray solution in order to have desired effect.	
3	यह भी सलाह हैं कि बीज उत्पादन के लिए लगाईं गई किस्म/फसल से फूलों का रंग, पत्तियों का आकार/बनावट या रोये की उपस्थिति या अनुपस्थिति के आधार पर अन्य/मिश्रित किस्म के पौधे निकालकर खेत से निष्कासित करे जिससे बीज उत्पादन में अधिकाधिक शुद्धता सुनिश्चित की जा सके. Farmers are advised to remove off-plants (based on the flower color, leaf type, leaf color or presence or absence of pubescence) from the field earmarked for seed production in order to maintain the seed purity.	
5	किसी भी प्रकार का कृषि-आदान क्रय करते समय दूकानदार से हमेशा पक्का बिल लें जिस पर बैच नंबर एवं एक्सपायरी दिनांक स्पष्ट लिखा हो. While purchasing any Agri-input, always obtain a *pucca bill* from the shopkeeper showing batch number and expiry date of the product(s).	

कृपया हमारे youtube चैनल पर सम्बंधित वीडियोज देखे एवं लाइक करे.

1	**सोयाबीन में टोनिक का प्रयोग कितना प्रभावी? https://www.youtube.com/watch?v=f1U3qri_iEU&t=121s**
2	**सोयाबीन बीज की शुद्धता कैसे सुनिश्चित करें? https://www.youtube.com/watch?v=rJf7VjlXITw&t=68s**
3	**चूहों के प्रकोप से सोयाबीन को कैसे बचाए https://www.youtube.com/watch?v=jZ_NEm7GYng&t=352s**
4	**सोयाबीन के पौधे पीले क्यों पड़ जाते हैं? https://www.youtube.com/watch?v=3lkUsflu8UE&t=48s**
5	**फूलने की अवस्था में चने की इल्ली से कैसे बचाए. https://www.youtube.com/watch?v=r2zbJ4ECpDo&t=31s**
6	**कीट चक्र भृंग का नियंत्रण कैसे करे? https://www.youtube.com/watch?v=w2lIBt-_ypM&t=9s**
7	**फफुन्द्जनित रोगों का नियंत्रण. https://www.youtube.com/watch?v=UeT5bPeqGWc&t=72s**
8	**पत्तीया खाने वाली इल्लियों का नियंत्रण https://www.youtube.com/watch?v=cYqVzYQ-Dog&t=23s**
9	**सोयाबीन में तना मक्खी का प्रबंधन https://www.youtube.com/watch?v=Qh2FiVEaiDo&t=118s**
10	**पीला मोजेक एवं सोयाबीन मोज़ेक रोग का नियंत्रण https://www.youtube.com/watch?v=Q1y1fAnEIOg&t=6s**
11	**सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण, खरपतवारनाशक https://www.youtube.com/watch?v=bSKhQtLzj8Q&t=216s**

कृपया हमारे YouTube चैनल को लाइक व् सबस्क्रइब करे

https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxkAuSyQ

Facebook Page: https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553

****